रणजीत टाइम्स

इंदौर

शनिवार, 15 नवम्बर, 2025

वर्ष 01 | अंक 282 | कुल पृष्ठ : 8 | Digital

RNI-NO.MPHIN/2015/64585

प्रधान संपादक : गोपाल गावंडे

मुख्यमंत्री डॉ. यादव का लाड़ली बहनों और स्वच्छता दीदियों ने किया स्वागत और जताया आभार

इंदौर । मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का आज इंदौर में लाड़ली बहनों और स्वच्छता दीदियों ने पुष्पगुच्छ और पुष्पमालाओं से स्वागत किया। इन्होंने मुख्यमंत्री डॉ. यादव का लाड़ली बहनों को हर माह 1500 रुपये दिए जाने और स्वच्छता दीदियों के लिए नगर निगम के माध्यम से अनेक सुविधाएं दिए जाने के लिए आभार जताया। इस अवसर पर जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट, विधायक श्रीमती मालिनी लक्ष्मण सिंह गौड़, पुलिस कमिश्नर श्री संतोष कुमार सिंह, कलेक्टर श्री शिवम वर्मा, नगर निगम आयुक्त श्री दिलीप कुमार यादव, अतिरिक्त पुलिस कमिश्नर श्री अमित सिंह, श्री सुमित मिश्रा, अपर आयुक्त नगर निगम श्री रोहित सिसोनिया एवं श्री सुमित मिश्रा सहित अन्य अधिकारी और जनप्रतिनिधि मौजूद थे।

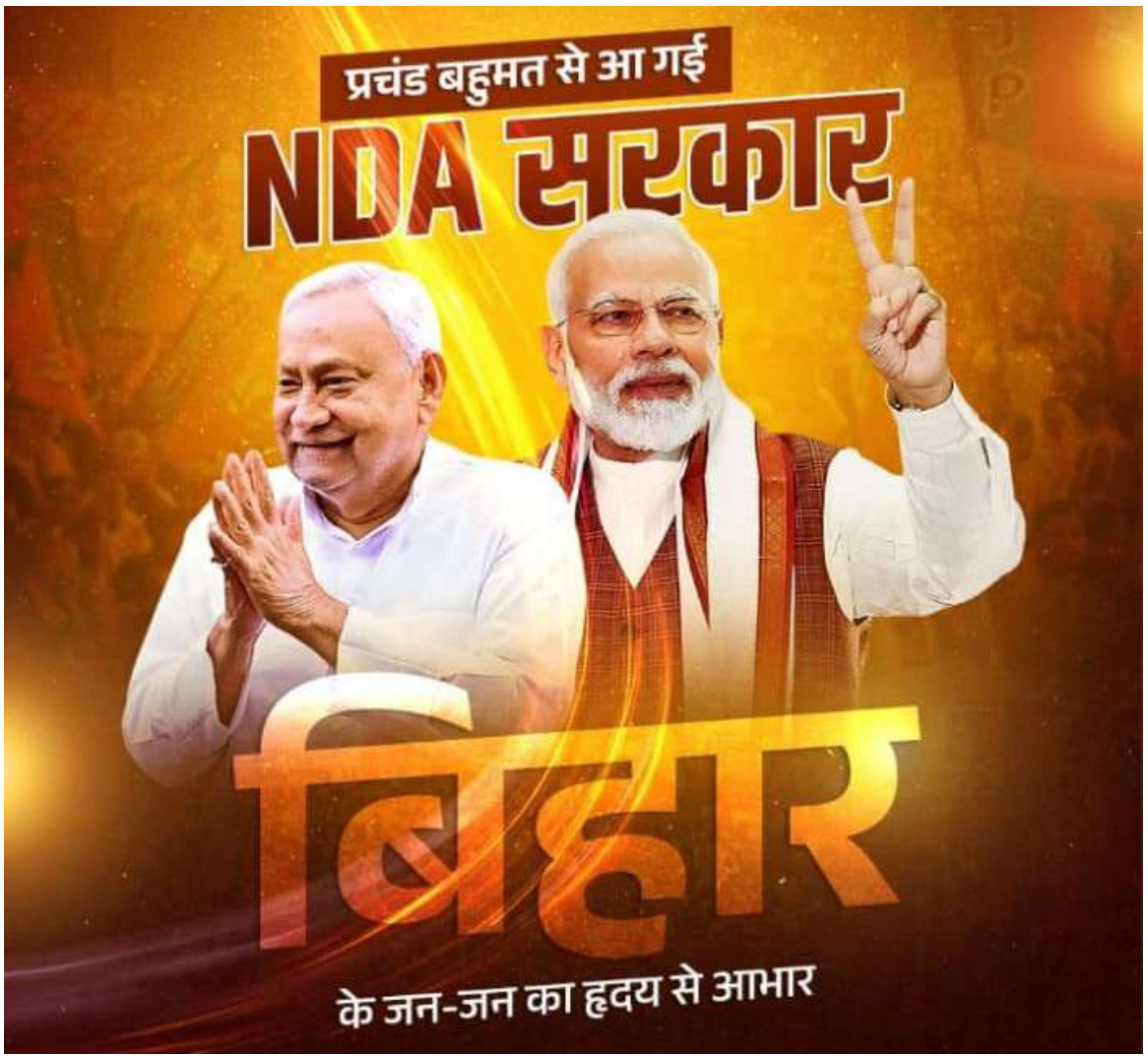

विकास, समृद्धि और आत्मनिर्भरता की नई दिशा है बेंका सिंचाई तालाब परियोजना : मंत्री श्री सिलावट

1270.08 लाख रूपये लागत की इस परियोजना से आसपास के सैकड़ों किसानों को मिलेगा लाभ

दैनिक रणजीत टाइम्स

इंदौर । जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट ने शुक्रवार को डॉ. अम्बेडकर नगर महू क्षेत्र में 1270.08 लाख रूपये लागत से बने बेंका सिंचाई तालाब परियोजना का लोकार्पण किया। इस अवसर पर मंत्री श्री सिलावट ने कहा कि आज का यह दिन हमारे क्षेत्र, हमारे किसानों और हमारी भावी पीढ़ियों के लिए अत्यंत शुभ और ऐतिहासिक अवसर लेकर आया है। हम सभी यहां सिंचाई तालाब परियोजना के लोकार्पण के साक्षी बन रहे हैं। बेंका सिंचाई तालाब परियोजना ऐसी परियोजना, जो केवल जल संरचना नहीं, बल्कि विकास, समृद्धि और आत्मनिर्भरता की नई दिशा है। इस अवसर पर राज्यसभा सांसद श्रीमती कविता पाटीदार, स्थानीय विधायक सुश्री उषा ठाकुर, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती रीना मालवीय, श्री श्रवण चावड़ा सहित अन्य स्थानीय जनप्रतिनिधिगण, ग्रामीणजन, किसान एवं माताएं-बहनें मौजूद थीं।

श्री सिलावट ने कहा कि इस परियोजना से आसपास के सैकड़ों किसानों को सिंचाई सुविधा मिलेगी। इससे भूजल स्तर सुधरेगा और प्राकृतिक जल संतुलन भी मजबूत होगा। गांवों में रोजगार बढ़ेगा और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को गति मिलेगी। हमारा लक्ष्य केवल तालाब बनाना नहीं है, बल्कि हर बूंद को सहेजना, हर खेत को सींचना और हर किसान को खुशहाल बनाना है। उन्होंने कहा कि जल संसाधन विभाग निरंतर यह सुनिश्चित कर रहा है कि प्रदेश के प्रत्येक घर, गांव, खेत तक पानी की सुविधा पहुंचे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में जल संरक्षण के क्षेत्र में अनेक योजनाएँ क्रांतिकारी रूप से आगे बढ़ रही हैं।

श्री सिलावट ने बताया

बेंका सिंचाई तालाब वर्ष 2025 में निर्मित एक आधुनिक जल संरचना है, जो वर्षा जल संचयन एवं सिंचाई में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। तालाब की 2.44 MCM लाइव क्षमता से लगभग 370 हेक्टेयर कृषि भूमि को सिंचाई उपलब्ध होगी। परियोजना से लगभग 1100 किसान और 4 ग्राम बेका, उमड, रसकुंडिया एवं कुलठाना प्रत्यक्ष लाभ प्राप्त करेंगे। नवीन तकनीकों के उपयोग से निर्मित यह तालाब क्षेत्र में जल संरक्षण, भूजल पुनर्भरण और रबी-खरीफ फसलों की सिंचाई में अत्यंत उपयोगी सिद्ध होगी।

हर्ष कॉन्वेंट हाई स्कूल, बड़ोदिया में बाल दिवस बड़े धूमधाम से मनाया गया

बच्चों द्वारा बाल मेले का भव्य आयोजन किया गया

दिलीप पाटिदार

बड़ोदिया। हर्ष कॉन्वेंट हाई स्कूल में शुक्रवार को उत्साह और उमंग के साथ बाल दिवस मनाया गया तथा बच्चों द्वारा बाल मेले का भव्य आयोजन किया गया। मेले में विद्यार्थियों ने विभिन्न प्रकार के स्टॉल लगाए, जिनमें विज्ञान मॉडल, कला–कृतियाँ, खाद्य पदार्थ, खेल तथा मनोरंजन आधारित गतिविधियाँ शामिल रहीं। मेले का उद्देश्य बच्चों में रचनात्मकता, स्वावलंबन और टीम–वर्क की भावना को बढ़ावा देना रहा। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथि द्वारा पहले फिता काट के किया गया उसके बाद मां सरस्वती तथा पंडित जवाहरलाल नेहरू जी कि फोटो पर माल्यार्पण किया गया। तथा अतिथियों ने छात्रों की सराहना की और कहा कि ऐसे आयोजन विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए अत्यंत आवश्यक हैं।

बाल मेले में लगे स्टाल

बाल मेले में विद्यार्थियों द्वारा विभिन्न व्यंजनों और गतिविधियों के 50 से अधिक स्टॉल लगाए गए थे। अतिथियो एवं प्राचार्य मुकेश पाटीदार ने स्टालों का अवलोकन किया तथा सामग्री क्रय कर विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया। मेले में बड़ी संख्या में छात्र एवं उनके पालकों ने सहभागिता की। पालकों ने बाल मेले की सराहना भी की। अभिभावकों और ग्रामवासियों ने भी मेले में बड़ी संख्या में पहुँचकर बच्चों का उत्साहवर्धन किया। पूरे कार्यक्रम के दौरान बच्चों ने अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया और वातावरण उल्लास से भर गया। इस अवसर पर मुन्नालाल खराड़ी (जनपद पंचायत सदस्य सरदारपुर) विक्रम खराड़ी (ग्राम पंचायत बड़ोदिया सरंपच) जीवन पाटीदार (उपसरपंच ग्राम पंचायत बड़ोदिया) गंगाराम पारगी (सरंपच ग्राम पंचायत बिछिया) राजेन्द्र पाटीदार, मदनलाल पाटीदार आदि ग्रामीणजन उपस्थित थे।

रणजीत टाइम्स परिवार में आपका हार्दिक स्वागत

माननीय प्रेमचंद गुप्ता जी महेश्वर ब्यूरो नियुक्ति पर हार्दिक बधाई!

आपके जुड़ने से रणजीत टाइम्स की टीम को एक नई शक्ति, नई ऊर्जा और नई दिशा मिली है। अब महेश्वर की हर बड़ी खबर, जनसमस्याएँ, विकास कार्य और स्थानीय रिपोर्टिंग आपके साथ, आपकी कलम से, सीधे रणजीत टाइम्स पर। हम सभी आपकी पत्रकारिता अनुभव और क्षेत्रीय समझ का सम्मान करते हैं। महेश्वर की खबरें–अब आप के साथ!

भोपाल :- सम ग्लोबल यूनिवर्सिटी

सम ग्लोबल यूनिवर्सिटी में आयोजित दीक्षात समारोह वर्ष 2025 में उज्जवल खरे को ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा गोल्ड मिडिल से किया गया सम्मानित

खुशबू श्रीवास्तव

सम ग्लोबल यूनिवर्सिटी में आयोजित दीक्षात समारोह वर्ष 2025 में उज्जवल खरे द्वारा मास्टर का बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन प्रोग्राम के तहत यूनिवर्सिटी में टॉप किया इसके उपलक्ष्य में दीक्षांत समारोह मे केंद्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान के द्वारा गोल्ड मेडल की उपाधि डिग्री के साथ सम्मानित किया गया इस आयोजन में कई मुख्य अतिथि शामिल हुए केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने उनके उज्जवल भविष्य की कामना की और कहां की बिजनेस के मामले में हमारे देश को एक होनहार ऊर्जावान उज्जवल खरे जो देश में बिजनेस मेन का मान बढ़ाएंगे और मैं यही कामना करता हूं कि हमारे देश के होनहार बेटा बेटी इसी तरह पूरे देश का ओर अपने माता पिता का नाम उज्जवल करेंगे वही उज्वल खरे द्वारा बताया की मेने जो ये विजय प्रप्त की उसका श्रय मे अपने माता पिता को जिन्होंने मेरा हर वक्त हर तरह से सहयोग किया एवं सम ग्लोबल यूनिवर्सिटी का मे बहुत बहुत आभार व्यक्त करता हु की आज मुझे ये गोल्ड मिडिल प्रप्त हुआ।

रणजीत टाइम्स

बिहार में कांग्रेस को दोहरानी पड़ी पुरानी हार, राहुल गांधी की रणनीति क्यों नहीं चली? भाजपा की ऐतिहासिक जीत के बीच उठे बड़े सवाल

नई दिल्ली। बिहार विधानसभा चुनाव के नतीजों ने एक बार फिर भारतीय राजनीति की तस्वीर को बदल दिया है। पूरे चुनावी समर में जिस तरह का माहौल बना, उसकी परिणति भाजपा की रिकॉर्डतोड़ सफलता के रूप में सामने आई। इस जीत ने न केवल बिहार में भाजपा का जनाधार और गहरा किया, बल्कि विपक्ष-खासकर कांग्रेस—की रणनीति पर भी बड़े सवाल खड़े कर दिए।

कांग्रेस को एक बार फिर ऐसा झटका लगा है जिसकी गूंज आने वाले महीनों में राष्ट्रीय राजनीति में भी सुनाई देगी। देश की सबसे पुरानी पार्टी, जिसने नौ महीने पहले दिल्ली में अपना सूपड़ा साफ होते देखा था, अब बिहार में भी बैकफुट पर जाती दिखाई दे रही है। कांग्रेस के लिए यह चुनाव नतीजे अब तक के सबसे खराब प्रदर्शन वाले साबित हो रहे हैं। पार्टी न केवल भाजपा से बल्कि जनता दल (यूनाइटेड), चिराग पासवान की लोक जनशक्ति पार्टी और अन्य दलों के गठजोड़ के सामने भी कमजोर साबित हुई। चुनाव आयोग के शाम 7 बजे तक के आंकड़ों के अनुसार कांग्रेस अब तक केवल किशनगंज सीट जीत पाई है, जहां उसने AIMIM से आए कमरुल होदा को पराजित किया। पार्टी पांच अन्य सीटों वाल्मीकि नगर, चनपटिया, फारबिसगंज, अररिया और मनिहार पर बढ़त बनाए हुए थी, लेकिन कुल मिलाकर उसका प्रदर्शन उम्मीदों से बहुत कम रहा।

कांग्रेस की करारी हार की असल वजहों पर नजर डालें तो सबसे बड़ा कारण बताया जा रहा है—वोटर्स से दूरी। चुनाव प्रचार के पूरे दौर में राहुल गांधी की अनुपस्थिति ने कांग्रेस के लिए भारी नुकसान पहुंचाया। उन्होंने शुरुआत में 'मतदाता अधिकार यात्रा' के जरिए माहौल बनाने की कोशिश की थी, लेकिन इस अभियान के बाद वे बिहार से लगभग गायब ही रहे। जनता के बीच यह संदेश गया कि कांग्रेस न तो मैदान में पूरी ताकत से उतरी और न ही उसने बिहार के लिए किसी ठोस विकास नीति या स्पष्ट विज़न की घोषणा की। यही दूरी और अस्पष्टता मतदाताओं को भाजपा की ओर ले गई। इसके उलट भाजपा का पूरा नेतृत्व बिहार की जमीन पर सक्रिय नजर आया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ताबड़तोड़ रैलियों ने चुनाव जीत की दिशा तय कर दी। उन्होंने बिहार में 14 रैलियां और सात दौरे किए, जिससे भाजपा के कैडर और समर्थकों में ऊर्जा का संचार हुआ। पर्दे के पीछे अमित शाह की रणनीतिक समझ ने संगठन को मजबूती दी। वहीं उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने प्रभावशाली भाषणों से चुनावी माहौल को भाजपा के पक्ष में मोड़ने का काम किया। भाजपा के इस आक्रामक अभियान के सामने कांग्रेस पूरी तरह धीमी, बिखरी और अंतरद्वंद्व में फंसी दिखाई दी।

महागठबंधन की मजबूती भी इस बार आधी-अधूरी साबित हुई। तेजस्वी यादव और राहुल गांधी दोनों को एक साथ मंच पर आकर भाजपा के मुकाबले मजबूत छवि पेश करनी थी, लेकिन यह तालमेल आखिरी समय तक नहीं बन पाया। पहले चरण के मतदान से ठीक एक हफ्ता पहले 29 अक्टूबर तक दोनों नेता एक साथ मंच साझा नहीं कर सके। इससे न केवल मतदाताओं में भ्रम पैदा हुआ बल्कि गठबंधन की एकजुटता भी कमजोर दिखी। भाजपा के सशक्त प्रचार अभियान के मुकाबले महागठबंधन की धीमी शुरुआत और समन्वय की कमी ने कांग्रेस के प्रदर्शन को और भी कमजोर कर दिया।

अंततः बिहार के नतीजों ने साफ कर दिया है कि कांग्रेस को रणनीति, नेतृत्व, जमीनी उपस्थिति और राजनीतिक संदेश-इन सभी मोर्चों पर गहरे आत्ममंथन की जरूरत है। बिहार की यह हार केवल संख्याओं की हार नहीं, बल्कि उस संगठनात्मक कमजोरी की कहानी है जो लंबे समय से कांग्रेस को घेरे हुए है। भाजपा की ऐतिहासिक जीत और कांग्रेस की अभूतपूर्व पराजय ने यह स्पष्ट कर दिया है कि 2025 और 2026 की राजनीति में कांग्रेस को नई सोच, नए नेतृत्व और नई शैली के साथ मैदान में उतरना होगा, वरना पराजय का यह सिलसिला आगे भी दोहराया जा सकता है।

नीतीश कुमार की जीत का असली राज

चुनावी रेवड़ियों की चमक से चमका बिहार, लेकिन आर्थिक भविष्य पर उठने लगे गंभीर सवाल

नई दिल्ली। बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के परिणामों ने एक बार फिर यह साबित कर दिया कि चुनावों में लोकलुभावन योजनाओं का असर कितना गहरा और निर्णायक हो सकता है। नीतीश कुमार और एनडीए की ऐतिहासिक जीत के पीछे कई फैक्टर रहे, लेकिन विशेषज्ञों का कहना है कि इस जीत की सबसे मजबूत नींव उन आर्थिक घोषणाओं ने रखी, जिन्हें पूरे चुनाव प्रचार के दौरान बार-बार दोहराया गया। विशेष रूप से सवा करोड़ जीविका दीदियों को रोजगार से जोड़ने के लिए दी जाने वाली 10 हजार रुपये की प्रारंभिक सहायता ने ग्रामीण और महिला मतदाताओं के बीच गहरी पैठ बनाई। यह राशि भले ही राजग द्वारा 'रेवड़ी' मानने से इनकार किया गया हो, लेकिन मतदाताओं के स्तर पर इसे ठोस मदद के रूप में देखा गया, जिसने चुनावी हवा को निर्णायक रूप से प्रभावित किया। सरकार ने यह भी स्पष्ट किया कि आगे मिलने वाली दो लाख रुपये की राशि अनुदान नहीं, बल्कि कर्ज के रूप में होगी, जिससे इसे स्थायी मदद की श्रेणी में रखा जा सके।

देश के राजनीतिक इतिहास में चुनावी रेवड़ियों की अवधारणा नई नहीं है। इससे पहले मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र और दिल्ली में भी महिलाओं को प्रतिमाह वित्तीय सहायता देने की योजनाओं ने चुनावों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी और उसका लाभ संबंधित सरकारों को चुनावी नतीजों में साफ दिखा। इसी प्रवृत्ति का विस्तारित रूप बिहार के चुनाव में भी देखने को मिला। परंतु अब बड़ा सवाल यह है कि क्या बिहार सरकार इतनी बड़ी आर्थिक सहायता योजनाओं को वास्तव में लागू कर पाने की स्थिति में है। क्या राज्य का राजस्व तंत्र अगले पांच वर्षों में उन वित्तीय बोझों को संभाल पाएगा, जो इतनी विशाल घोषणाओं के साथ जुड़ते हैं।

एनडीए के संकल्प पत्र में इस बार बड़े पैमाने पर लोकलुभावन और सामाजिक सुरक्षा से जुड़ी घोषणाएं शामिल की गई थीं। एक करोड़ रोजगार देने का वादा, महिलाओं को दो लाख रुपये की सहायता राशि, एक करोड़ 'लखपति दीदियों' का लक्ष्य, 125 यूनिट मुफ्त बिजली, पांच लाख रुपये की मुफ्त स्वास्थ्य सेवा, 50 लाख नए घर, और एक लाख करोड़ रुपये के औद्योगिक निवेश जैसे घोषणाओं ने जनता का ध्यान खींचा। लेकिन इतनी बड़ी योजनाओं पर अमल करने के लिए राज्य सरकार को भारी-भरकम वित्तीय व्यवस्था खड़ी करनी होगी। केवल महिलाओं के लिए की गई घोषणाओं, 'लखपति दीदी' योजना और अतिरिक्त वित्तीय सहायता के मद में अकेले सरकार को लगभग 20 हजार करोड़ रुपये का खर्च करना होगा। वहीं मुफ्त बिजली, स्वास्थ्य सेवा, आवास निर्माण और ईबीसी के लिए घोषित सहायता राशि के अमल से राज्य के खजाने पर लगभग 40 हजार करोड़ रुपये का अतिरिक्त बोझ आएगा। कुल मिलाकर अगले पांच वर्षों में सरकार को 1.5 लाख करोड़ रुपये के नए संसाधन जुटाने होंगे, ताकि इन सभी योजनाओं को वास्तविकता के धरातल तक पहुंचाया जा सके।

बिहार की वर्तमान आर्थिक स्थिति इस चुनौती को और भी गंभीर बनाती है। राज्य का जीएसडीपी 9.76 लाख करोड़ रुपये के आसपास है और राजकोषीय घाटा 9.2 फीसद तक पहुंच चुका है, जो वित्तीय स्थिरता के मानकों से काफी अधिक है। राज्य का कुल कर्ज 2.93 लाख करोड़ रुपये है, जो जीएसडीपी का लगभग 30 प्रतिशत है। यह स्थिति फिलहाल खतरनाक नहीं है, लेकिन चुनावी घोषणाओं पर अमल होने की स्थिति में वित्तीय दबाव तेज़ी से बढ़ सकता है।

राजस्व संग्रह को देखें तो पिछले तीन वर्षों में यह 1.97 लाख करोड़ रुपये से बढ़कर 2.27 लाख करोड़ रुपये से थोड़ा अधिक हुआ है, लेकिन यह वृद्धि उस गति से नहीं हुई है जो इतनी भारी घोषणाओं को समर्थन दे सके। विशेषज्ञों का कहना है कि अगले पांच वर्षों में बिहार को अपने राजस्व में कम से कम 10 से 15 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि हासिल करनी होगी, तभी इन चुनावी वादों को पूरा करना संभव होगा।

चुनावी रेवड़ियों का यह मॉडल सिर्फ बिहार तक सीमित नहीं है। पिछले दो वर्षों में मध्य प्रदेश, राजस्थान, कर्नाटक, तेलंगाना, महाराष्ट्र और दिल्ली जैसे राज्यों में भी फ्रीबी संस्कृति तेजी से बढ़ी है। मध्य प्रदेश की 'लाड़ली बहना' योजना ने जहां महिलाओं को 1,250 से 1,500 रुपये मासिक दिए और चुनावी रूप से भाजपा को तीसरी बार सत्ता में पहुंचाया, वहीं कर्नाटक की 'गृह लक्ष्मी' योजना और तेलंगाना की मुफ्त बस यात्रा जैसी योजनाओं ने राज्यों के राजकोषीय व्यय में बड़ी वृद्धि कर दी है। हिमाचल प्रदेश में पुरानी पेंशन योजना लागू करने से मासिक 2,000 करोड़ रुपये का बोझ बढ़ गया, जिसके बाद राज्य की उधारी सीमा लगभग समाप्त हो गई। देश में यह बहस भी तेज है कि कौन-सी योजनाएं 'जनकल्याणकारी' हैं और कौन-सी 'रेवड़ियां'। इसी मुद्दे पर सुप्रीम कोर्ट में जनवरी 2022 से एक जनहित याचिका पर सुनवाई जारी है।

जनजातीय गौरव दिवसः भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के अनलिखे अध्यायों को नमन

कैलाश विजयवर्गीय
रणजीत टाइम्स

इंदौर । 15 नवंबर को पूरा देश जनजातीय गौरव दिवस मना रहा है। मध्यप्रदेश, जहां देश की सबसे बड़ी जनजातीय आबादी निवास करती है, इस दिवस को और भी गौरवपूर्ण तरीके से मना रहा है। यह सिर्फ उत्सव मनाने का दिन नहीं, बल्कि उन अनगिनत आदिवासी नायकों के अदम्य साहस, बलिदान और संघर्ष को याद करने का अवसर है, जिन्हें स्वतंत्रता इतिहास में वह स्थान लंबे समय तक नहीं मिला जिसके वे अधिकारी थे।

बिरसा मुंडाः जिनका संघर्ष समय से आगे था

बिरसा मुंडा एक ऐसे जननायक थे, जिन्होंने भगत सिंह, चंद्रशेखर आज़ाद और गांधी जी से भी बहुत पहले अंग्रेजों के अत्याचारों के विरुद्ध संघर्ष का प्रारंभ किया। भारत में जब संगठित स्वतंत्रता आंदोलन की शुरुआत भी नहीं हुई थी, तब झारखंड के दूरस्थ इलाकों और जंगलों में—जहां संचार के साधन नगण्य थे—उन्होंने आदिवासियों को संगठित किया और अंग्रेजी शासन को खुली चुनौती दी। आदिवासी समाज उन्हें 'धरती आबा' यानी धरती पिता की उपाधि से सम्मानित करता है। उन्होंने "अबुआ राज एते जाना, महारानी राज टुंडू जाना" का नारा देकर स्वराज की अवधारणा को जंगलों, घाटियों और गांवों तक पहुंचाया।

वर्ष 1900 में बिरसा मुंडा के नेतृत्व में आंदोलन के तेज फैलाव से घबराकर, तत्कालीन जिला मैजिस्ट्रेट ने पुलिस और सेना बुलवाई और डोंबिवाड़ी हिल पर हो रही सभा पर गोलीबारी करवा दी, जिसमें लगभग 400 लोग मारे गए। यह घटना 19 साल बाद हुए जलियांवाला बाग हत्याकांड के समान थी, परंतु इस घटना को इतिहास में वह स्थान नहीं दिया गया। बिरसा मुंडा को पकड़ने के बाद अंग्रेजों ने निर्णय लिया कि उन्हें बेड़ियों में जकड़कर अदालत ले जाया जाए ताकि आमजन को पता चले कि अंग्रेजों के विरुद्ध बगावत करने का क्या नतीजा होता है। परंतु यह दांव उल्टा पड़ गया—बिरसा को देखने के लिए रोड के दोनों ओर हजारों की संख्या में लोग जमा हो गए। उन्हें तीन माह तक सोलिटरी कन्फाइनमेंट में रखा गया और यह भी कहा जाता है कि उन्हें स्लोपॉयजन दिया गया। अंततः मात्र 25 वर्ष की आयु में वो शहीद हो गए।

आदिवासी वीरः जिन्हें इतिहास ने कम याद किया

अंग्रेजों ने भारत में अपनी जड़ें मजबूत करते ही यहां की प्राकृतिक संपदा, विशेषकर वन संपदा के दोहन की राह पकड़ी। जो आदिवासियों के साथ संघर्ष का कारण बना। 1857 की क्रांति से लगभग 25 साल पहले,शहीद बुधु भगतने छोटा नागपुर क्षेत्र में अंग्रेजों के जल, जमीन और वनों पर कब्जे की नीति के विरुद्ध विद्रोह का बिगुल बजाया। इसे लकड़ा विद्रोह के नाम से जाना जाता है। वीर बुधु भगत का विद्रोह इतना तीव्र था कि ईस्ट इंडिया कंपनी ने उनके नाम पर उस समय 1000 रुपये का इनाम रखा था।

सिदू और कान्हू मुर्मू ने वर्ष 1855–56 में संथाल विद्रोह / हूल आंदोलन का नेतृत्व किया। जून 1855 में भोगनाडीह में 400 गांवों के 50,000 संथालों की सभा हुई, जिसमें संथाल विद्रोह की शुरुआत हुई। इसका नारा था—"करो या मारो... अंग्रेजों हमारी माटी छोड़ो।" अंग्रेजों के आधुनिक हथियारों का सामना संथालों ने तीर-कमान से किया। कार्ल मार्क्स ने " नोट्स ऑन इंडियन हिस्ट्री" में संथाल क्रांति को

भारत की पहली जनक्रांति कहा

मध्यप्रदेश के निमाड़ का नाम आते ही टांट्या मामा या टांट्या भील का स्मरण होता है। उन्हें निमाड़ का शेर कहा जाता हे वे लगभग पोने 7 फीट ऊंचे, तेजस्वी व्यक्तित्व वाले योद्धा थे। वे अंग्रेजों से लूटा धन और अनाज गरीबों तक पहुंचाते थे। उन्हें 'भारत का रॉबिन हुड' कहा जाता था। उनका आतंक अंग्रेजों की छावनियों तक फैला रहता था, जहां अतिरिक्त सुरक्षा इसलिए रहती थी कि "कहीं टांट्या न आ जाए।" अंततः अंग्रेजों ने छल से उन्हें पकड़ा, जबलपुर में फांसी दी और उनका शव पातालपानी क्षेत्र में लाकर रख दिया, ताकि आम लोगों को पता चले कि अंग्रेजों के खिलाफ विद्रोह करने का क्या नतीजा होता है। उनके पकड़े जाने की खबर अंतर्राष्ट्रीय अखबारों में, विशेषकर अमेरिका के न्यूयॉर्क टाइम्स समाचार पत्र में नवंबर 1889, में छापी। आप सोच सकते हे कि निमाड़/मालवा के छोटे से क्षेत्र में रहने वाले इस जननायक ने भारत में अंग्रेजों की कितनी नाक में दम कर रखी होगी कि उसके बारे में अंतर्राष्ट्रीय मीडिया बात कर रहा था। इसी तरह राजा शंकर शाह और कुंवर रघुनाथ शाह भारत के पहले ऐसे रजवाड़े थे जिन्हें वर्ष 1857 की क्रांति को कुचलने की कड़ी में अंग्रेजों द्वारा तोप के मुंह से बांधकर उड़ाया गया। न्याय आयोग, जिसके सामने उन्हें पेश किया गया था, ने उनके सामने जान बचाने के लिए धर्मांतरण सहित कई विकल्प रखे, दोनों ने उन्हें मानने से इनकार कर दिया। इसके बाद उन्हें जबलपुर में "ब्लोइंग फ्रॉम ए गन" की सजा दी गई। बड़वानी क्षेत्र के भीमा नायकभीलों के योद्धा थे, जिन्होंने वर्ष 1857 की क्रांति में अंग्रेजों के खिलाफ संघर्ष किया था। शहीद भीमा नायक का कार्य क्षेत्र बड़वानी रियासत से महाराष्ट्र के खानदेश तक फैला था। उन्हें आदिवासियों का पहला योद्धा माना जाता है, जिसे अंडमान के 'काला पानी' में फांसी दी गई। वर्ष 1857 के संग्राम के समय अंबापावनी युद्ध में भीमा नायक की महत्वपूर्ण भूमिका थी। कहा जाता है कि जब तात्या टोपे निमाड़ आए थे, तो उनकी भेंट भीमा नायक से हुई थी और भीमा नायक ने उन्हें नर्मदा पार करने में सहयोग दिया था। प्रथम स्वतंत्रता संग्राम के दौरान अंग्रेजों को लोहे के चने चबवाने वाले पचमढ़ी के आदिवासी राजा भभूत सिंह नर्मदांचल के शिवाजी कहलाते थे। जंगलों में रहकर अंग्रेजों को तीन साल तक परेशान करने वाले राजा भभूत सिंह गोरिल्ला युद्ध के साथ-साथ मधुमक्खी के छत्ते से हमला करने में भी माहिर थे। उन्होंने स्वतंत्रता संग्राम के दौरान तात्या टोपे की मदद भी की थी। मढ़ई और पचमढ़ी के बीच घने जंगलों में आज भी भभूत सिंह के किले का द्वार और लोहारों की भट्टियां मौजूद हैं, जिससे पता चलता है कि वे न केवल किला बनाकर लड़ रहे थे, बल्कि बड़े पैमाने पर हथियार बनाने की क्षमता भी रखते थे।

आदिवासी संघर्षः स्वतंत्रता की रीढ़

भारतीय इतिहास में आदिवासी समाज का योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण है। चाहे कोल क्रांति हो, उलगुलान हो, संथाल क्रांति हो, महाराणा प्रताप के साथ देने वाले वीर आदिवासी योद्धा हों या सह्याद्री के घने जंगलों में छत्रपति शिवाजी महाराज को ताकत देने वाले आदिवासी भाई-बहन—हर युग में आदिवासी समाज स्वतंत्रता और आत्मसम्मान के संघर्ष का अग्रदूत रहा है। लेकिन स्वतंत्रता के बाद इन योगदानों को उचित मान्यता या जगह नहीं मिली, और अगर मिली भी तो वह किताबो की चंद लाइनो तक सीमित रही। कई बार इतिहास के महत्वपूर्ण अध्याय इसलिए दबा दिए गए ताकि एक ही पार्टी और परिवार को स्वतंत्रता संग्राम का श्रेय दिया जा सके।

आधुनिक भारत में सम्मान की पुनर्स्थापना

बीजेपी सरकार के दौर में "विकास भी, विरासत भी" के सिद्धांत को अपनाते हुए माननीय मोदी जी के नेतृत्व में जहां एक ओर आदिवासी जननायकों को इतिहास में उचित स्थान दिया जा रहा है, वहीं दूसरी ओर विभिन्न योजनाओ द्वारा विकास की मुख्यधारा से पीछे छूट गए आदिवासी भाई-बहनों को आगे लाने का प्रयास भी किया जा रहा है। नरेंद्र मोदी भारत के पहले ऐसे प्रधानमंत्री थे, जो बिरसा मुंडा की जन्मस्थली उलिहातू (झारखंड) गए। बीजेपी सरकार ने बिरसा मुंडा जयंती को जनजातीय गौरव दिवस घोषित किया। भारतीय जनता पार्टी ने महामहिम द्रौपदी मुर्मू को राष्ट्रपति चुनकर जनजातीय समुदाय के वास्तविक गौरव को स्थापित किया है।

मध्यप्रदेशः जननायकों को मिला उचित सम्मान

बीजेपी सरकार ने मध्यप्रदेश में भी जनजातीय नायकों के सम्मान की परंपरा को पुनर्स्थापित किया गया है। छिंदवाड़ा विश्वविद्यालय का नाम शंकर शाह के नाम पर रखा गया। भोपाल के रेलवे स्टेशन का नाम रानी कमलापति के नाम पर किया गया है, राजा भभूत सिंह को सम्मान देने के लिए पचमढ़ी वन्यजीव अभयारण्य का नामकरण उनके नाम पर और पातालपानी रेलवे स्टेशन का नाम टांटिया मामा के नाम करने की घोषणा हो चुकी है। राज्य सरकार आदिवासी जननायकों के सम्मान में सिंग्रामपुर (दमोह) और पचमढ़ी (नर्मदापुरम) में कैबिनेट की बैठक भी कर चुकी है। ये सभी कदम इसलिए हैं ताकि आदिवासियों को उनके योगदान के अनुसार सम्मान मिल सके।

(लेखक म.प्र में नगरीय विकास एवं आवास तथा संसदीय कार्य मंत्री है)

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने एमजी रोड़ थाने का किया औचक निरीक्षण

दैनिक भास्कर दर्पण

इंदौर । मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने आज अपने इंदौर भ्रमण के दौरान थाना एमजी रोड़ का आकस्मिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने थाने की विभिन्न व्यवस्थाओं को देखा तथा थाने के रजिस्टरों को चैक किया। उन्होंने थाने द्वारा की जा रही कार्यवाहियों की जानकारी भी ली। इस मौके पर पुलिस कमिश्नर श्री संतोष कुमार सिंह ने पुलिस द्वारा आमजन की सुविधाओं के लिए किए जा रहे नवाचारों की जानकारी भी दी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने थाना पहुँचे ही हेड मोहर्रिर कक्ष का निरीक्षण किया।

यहाँ उन्होंने एफआईआर दर्ज करने की कम्प्युटराईज्ड व्यवस्था को देखा। उन्होंने मौजूद स्टाफ से एफआईआर लिखने की प्रक्रिया की जानकारी ली। वहां मौजूद स्टाफ ने एफआईआर के संबंध में जानकारी दी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने रोजनामचे का निरीक्षण भी किया। निरीक्षण के दौरान पाया गया कि अंतिम इंट्री इसमें सुबह 11.38 बजे की थी। मुख्यमंत्री जी द्वारा लगभग 12 बजे निरीक्षण किया गया। इस दौरान पाया गया कि एक आरक्षक रिंकू सिंह 8 नवम्बर से बगैर सूचना के अनुपस्थित है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पुलिस कमिश्नर को निर्देश दिए कि वे अनुपस्थिति का परीक्षण करें और नियमानुसार कार्रवाई करें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने थाना प्रभारी कक्ष का निरीक्षण भी किया।

निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने आगन्तुक रजिस्टर का अवलोकन भी किया। इस मौके पर पुलिस कमिश्नर श्री संतोष कुमार सिंह ने बताया कि आमजन की सुविधा और उनके फीडबैक लेने के लिए हर थाने में आगन्तुक रजिस्टर रखा गया है। रजिस्टर में थाने में आने वाले आगन्तुक अपने फीडबैक दर्ज कर सकते है। उन्होंने बताया कि आगन्तुक रजिस्टर के आधार पर फीडबैक देने वाले नागरि कों से पुनः फीडबैक लेने के लिए भी विशेष व्यवस्था है। पुलिस कमिरश्नर कार्यालय में इसके लिए एक अलग से फीडबैक सेक्शन बनाया गया है। इस सेक्शन द्वारा हर माह लगभग 5 हजार आगन्तुकों से फीडबैक फोन के माध्यम से लिया जाता है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव को पुलिस कमिश्नर कार्यालय द्वारा नवाचार के तहत फीडबैक लेने के लिए क्यूआर कोड के संबंध में भी जानकारी दी गई। बताया गया कि कोई भी नागरिक क्यूआर कोड स्कैन कर अपना फीडबैक दे सकते हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने निर्देश दिए कि थानों में अव्यवस्थित रूप से खड़े वाहनों का निष्पादन किया जाए। इस मौके पर पुलिस कमिश्नर श्री संतोष कुमार सिंह ने थानों में खड़े वाहनों के निष्पादन के लिए लगातार कार्यवाही की जा रही है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस मौके पर कहा कि थानों में आने वाले प्रत्येक नागरिक की संवेदनशीलता के साथ सुनवाई हो। नागरिकों की सुविधाएं एवं हितों को दृष्टिगत रखते हुए पुलिस पूर्ण दक्षता के साथ कार्य करें। निरीक्षण के दौरान जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट, विधायक श्रीमती मालिनी लक्ष्मण सिंह गौड़, पुलिस कमिश्नर श्री संतोष कुमार सिंह, कलेक्टर श्री शिवम वर्मा, नगर निगम आयुक्त श्री दिलीप कुमार यादव, अतिरिक्त पुलिस कमिश्नर श्री अमित सिंह तथा श्री राजेश कुमार सिंह एवं श्री सुमित मिश्रा सहित अन्य जनप्रतिनिधि शामिल थे।

दर्दनाक हादसा

रिटायर्ड डीएसपी की घर का छज्जा गिरने से मौत, प्रशासन ने चलाया बड़ा रेस्क्यू ऑपरेशन

दैनिक भास्कर दर्पण

देवास। शहर के विजयनगर इलाके में गुरुवार दोपहर एक बेहद दर्दनाक और दिल दहला देने वाला हादसा सामने आया, जहां रिटायर्ड डीएसपी अपने ही घर के बाहर बैठे थे तभी अचानक ऊपर से छज्जा भरभराकर गिर गया। भारी शोर और धूल के बीच कुछ ही सेकंड में पूरा हिस्सा मलबे में बदल गया और रिटायर्ड डीएसपी उसकी चपेट में आ गए। आसपास के लोगों ने जब जोरदार आवाज सुनी तो तुरंत घटनास्थल की ओर दौड़े, लेकिन तब तक वे मलबे में दब चुके थे। सूचना मिलते ही पुलिस और नगर निगम की टीम मौके पर पहुंची और जैसे-तैसे मलबा हटाकर उनका शव बाहर निकाला गया। हादसे की खबर फैलते ही पूरे क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई और लोगों की भीड़ जमा हो गई। घटना की गंभीरता को देखते हुए देवास कलेक्टर ऋतुराज सिंह, एएसपी जयवीर सिंह भदौरिया, नगरपालिका अधिकारी, भारी पुलिस बल और कई जनप्रतिनिधि तुरंत मौके पर पहुंचे। प्रशासन ने क्षेत्र को घेराबंदी कर मौके पर विशेष बचाव टीमों को तैनात किया। जेसीबी मशीनें और सहायता दल लगातार मलबा हटाने में जुटे रहे ताकि कहीं और कोई व्यक्ति दबा न हो। अधिकारियों ने मौके पर मौजूद टीमों को स्पष्ट निर्देश दिए कि बचाव कार्य में किसी भी तरह की देरी न हो और प्राथमिकता के आधार पर हर कोने की जांच की जाए। रात तक चले इस ऑपरेशन में रेस्क्यू टीमें तेजी से काम कर रही थीं और लगातार इस बात की जांच की जा रही थी कि मलबे के नीचे और कोई व्यक्ति तो नहीं फंसा है। हादसे ने शहर को गमगीन कर दिया है और लोग एक अनुभवी पुलिस अधिकारी की इस तरह हुई दर्दनाक मौत से स्तब्ध हैं। प्रशासन ने घटना को अत्यंत दुखद बताते हुए पूरे मामले की जांच के आदेश दे दिए हैं।

राहत और उम्मीदें: अक्तूबर महीने में खुदरा महंगाई में रिकॉर्ड कमी, उपभोक्ताओं के लिए राहत

राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) द्वारा जारी ताजा आंकड़ों के अनुसार, अक्तूबर महीने में खुदरा महंगाई में रिकॉर्ड कमी उपभोक्ताओं के लिए राहत की खबर हो सकती है, तो यह केंद्रीय बैंक की मौद्रिक नीति समिति के लिए दरों में कटौती का एक मजबूत अवसर भी प्रस्तुत करती है, बशर्ते वित्तीय वर्ष 2025-26 की दूसरी छमाही में आर्थिक वृद्धि कमजोर पड़ने के संकेत मिलें।गौरतलब है कि यह लगातार चौथा महीना है, जब खुदरा महंगाई दर केंद्रीय बैंक के मध्यम अवधि के लक्ष्य चार फीसदी से नीचे बनी हुई है। हालांकि, मौद्रिक नीति समिति की पिछली बैठक में अनुमान लगाया गया था कि वर्ष की अंतिम तिमाही में खुदरा महंगाई बढ़कर चार फीसदी और अगले वर्ष की पहली तिमाही में साढ़े चार फीसदी तक पहुंच सकती है। खुदरा महंगाई का अक्तूबर में घटकर 0.25 फीसदी पर आना कमजोर होती मांग का भी परिचायक हो सकता है, लेकिन फिलहाल ऐसा नहीं दिखता।केंद्रीय बैंक अपनी मौद्रिक नीति में प्रमुखता से खुदरा महंगाई दर का ध्यान रखता है। रिजर्व बैंक को महंगाई दर को चार फीसदी पर सुनिश्चित करने के निर्देश हैं, जिसमें दो फीसदी की घट-बढ़ हो सकती है। फिलहाल, खुदरा महंगाई में जो गिरावट दिख रही है, उसमें खाद्य मुद्रास्फीति, जो कुल उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) में करीब 46 फीसदी वजन रखती है, ने सबसे बड़ा योगदान दिया है। जीएसटी सुधारों से खाद्य और रोजमर्रा की वस्तुओं की कीमतों में कमी आई है। इसके अलावा, अनुकूल मौसम व बेहतर मानसून ने फसलों की पैदावार बढ़ाई है, जिससे आपूर्ति श्रृंखला मजबूत हुई है। वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतें स्थिर रहने से ईंधन मुद्रास्फीति भी कमोबेश स्थिर ही रही है। ये स्थितियां मांग पक्ष की स्थिरता को ही दर्शाती हैं। दरअसल, निम्न खुदरा महंगाई अर्थव्यवस्था से संतुलन की मांग करती है। इसका सकारात्मक पक्ष यह है कि यह उपभोक्ताओं की क्रय शक्ति और बचत की क्षमता को बढ़ाती है। लेकिन, लगातार कम होती मुद्रास्फीति अर्थव्यवस्था को मंदी की चपेट में भी धकेल सकती है। यहां केंद्रीय बैंक की भूमिका महत्वपूर्ण हो जाती है। यह सुनिश्चित किया जाना जरूरी है कि महंगाई में कमी सिर्फ आंकड़ों में नहीं, बल्कि इसका फायदा बाजारों में आम लोगों को भी होता दिखे।अनुमान लगाया जा सकता है कि खुदरा महंगाई दर में रिकॉर्ड कमी के आंकड़े अगर ऐसे ही बने रहते हैं और विकास की गति भी बनी रहती है, तो दिसंबर में मौद्रिक नीति समिति की समीक्षा बैठक में ब्याज दरों में कुछ ढील देखने को मिल सकती है।

अपराधियों के हौसले आसमान पर: सरकारी राशन दुकान से 76 बोरी गेहूं, 20 दिनों में दर्जनों चोरी

दैनिक भास्कर दर्पण

बैतूल। जिले में अपराध का ग्राफ लगातार ऊपर जा रहा है और पुलिस की नाकामी अब खुले तौर पर सामने आने लगी है। बीते 20 दिनों में चोरी की दर्जनों वारदातों ने पूरे क्षेत्र में असुरक्षा की भावना को गहरा दिया है। ताजा मामला शाहपुर ब्लॉक के कुंडी गांव का है, जहां सरकारी राशन दुकान को निशाना बनाते हुए चोरों ने रातों-रात 76 बोरी गेहूं साफ कर दिया। यह चोरी न केवल बेहद साहसिक थी, बल्कि प्रशासन और सुरक्षा व्यवस्था पर भी बड़ा सवालिया निशान खड़ा करती है। बीती रात चोर बेखौफ तरीके से उचित मूल्य दुकान का शटर तोड़कर अंदर घुसे, लॉक तोड़ा और एक-एक कर गेहूं की बोरियों को वाहन में भरते रहे। रात के अंधेरे में पूरी प्लानिंग के साथ अंजाम दी गई इस वारदात की भनक तक किसी को नहीं लगी। सुबह जब दुकान का ताला टूटा मिला, तो ग्रामीणों में हड़कंप मच गया और गुस्से की लहर फैल गई। लोगों ने सवाल उठाए कि आखिर इतनी बड़ी चोरी कैसे हो गई, जबकि क्षेत्र में पहले ही कई घटनाएं हो चुकी हैं।

जांच में यह भी सामने आया कि चोरों ने इतनी सहजता से चोरी को अंजाम दिया जैसे उन्हें किसी का कोई डर ही न हो। यह स्थिति सरकारी अनाज की सुरक्षा और पुलिस की कार्यप्रणाली दोनों की पोल खोलती है। लगातार हो रही वारदातों के बावजूद पुलिस न तो चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगा पा रही है और न ही अपराधियों तक पहुंच पा रही है। यही वजह है कि अब चोर सरकारी राशन तक को अपना आसान लक्ष्य मानने लगे हैं। स्थानीय लोगों की शिकायत पर भौंरा चौकी में FIR दर्ज की गई है और पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। लेकिन जांच शुरू होने भर से लोगों के मन में बसे डर, आक्रोश और प्रशासन की कार्यकुशलता को लेकर उठ रहे सवाल शांत नहीं हो रहे। ग्रामीणों की मांग है कि पुलिस जल्द से जल्द अपराधियों को पकड़कर इस बढ़ते अपराध पर सख्त कार्रवाई करे, वरना आने वाले दिनों में हालात और बिगड़ सकते हैं।

न्यायोत्सवः-2025-न्याय सब के लिए सांस्कृतिक कार्यक्रम के माध्यम से बच्चों ने दिया संदेश

दिलीप पाटीदार

धार मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशानुसार गुरुवार को विभिन्न स्कूल एवं संस्थाओं के समन्वय से शासकीय पी.जी. कॉलेज, धार के ऑडोटोरियम में विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश/ अध्यक्ष श्री संजीव कुमार अग्रवाल जी ने की।

विशिष्ट अतिथि के रूप में कलेक्टर श्री प्रियंक मिश्रा, पुलिस अधीक्षक श्री मयंक अवस्थी मौजूद रहे। विशेष अतिथियों के रूप में विशेष न्यायाधीश श्रीमती मेरी मारग्रेट फ्रांसिस डेविड, प्रधान न्यायाधीश, कुटुम्ब न्यायालय श्रीमती पावस श्रीवास्तव, जिला अभिभाषक संघ के अध्यक्ष श्री हितेश ठाकुर, अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश श्री पारस कुमार जैन, श्रीमती संगीता पटेल, श्रीमती सविता ठाकुर, न्यायिक मजिस्ट्रेट श्री धर्म कुमार, जिला पंचायत सीईओ श्री अभिषेक चौधरी, एवं प्राचार्य, पी.जी. कॉलेज श्री एस.एस. बघेल द्वारा भी कार्यक्रम में सहभागिता की गई। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से प्रतिनिधित्व एवं समन्वय सचिव श्री प्रदीप सोनी द्वारा किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन कर एवं दिल्ली वर्ल्ड पब्लिक स्कूल के छात्रों द्वारा सरस्वती वंदना गीत के साथ गया है। उसके पश्चात शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय क्र.-1 के छात्रों द्वारा सरस्वती वंदना नृत्य के रूप में प्रस्तुत किया गया।इसी क्रम में विभिन्न सांस्कृतिक एवं नाटय कार्यक्रम आयोजित किये गये, जिनमें उत्कृष्ट विद्यालय क्र.-1 के छात्रों द्वारा नालसा थीम सान्ग''न्याय सब के लिए'' पर ग्रुप डांस किया गया। न्याय प्रणाली पर कविता व वक्तव्य प्रस्तुत किये गये। दिल्ली वर्ल्ड पब्लिक स्कूल के छात्रों द्वारा ''अपने अधिकारों को जाने'' विषय पर रोल प्ले किया गया, एकलव्य आदर्श आवासीय स्कूल के छात्रों द्वारा मौलिक अधिकारों का स्क्रिप्ट मंचन, केन्द्रीय विद्यालय द्वारा रोल प्ले ''गुड टच एवं बेड टच'' का मंचन किया गया। सेंट जार्ज इंग्लिश मीडिएम स्कूल के छात्रों द्वारा नालसा थीम सान्ग ''न्याय का रोशन तारा, यही संकल्प हमारा'' की प्रस्तुति की गई। साथ ही ऑपरेशन सिंदूर पर आधारित देशभक्ति डांस प्रस्तुत किया गया।

सांस्कृतिक कार्यक्रम के पश्चात प्रधान जिला न्यायाधीश श्री संजीव कुमार अग्रवाल द्वारा उदबोधन में विधिक सेवा दिवस पर आयोजित किये गये न्यायोत्सव सप्ताह 2025 के उददेश्यों तथा आयोजित किये गये कार्यक्रमों की जानकारी दी गई। अध्यक्षीय उदबोधन में प्रधान जिला न्यायाधीश द्वारा बच्चों द्वारा किये गये विशेष मंचन ''अपने अधिकारों को जाने'', मौलिक अधिकारों को प्रदर्शित करने वाली स्किट तथा गुड टच एवं बेड टच पर आधारित रोल प्ले का जिक्र करते हुए बच्चों को विधिक रूप से जागरूक रहने व जागरूकता इसी भांति प्रसारित करने का आव्हान किया गया।

अतिथिगण द्वारा आयोजित किये गये विभिन्न कार्यक्रम में शामिल हुए छात्र-छात्राओं को प्रोत्साहन स्वरूप मेडल वितरित किये गये। स्कूल तथा कॉलेज से पधारे प्राचार्य/डायरेक्टरगण को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में अतिथियों का स्वागत उदबोधन श्री प्रदीप सोनी सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, धार द्वारा किया गया। कार्यक्रम का संपूर्ण समन्वयन श्री प्रदीप सोनी, न्यायाधीश व सचिव द्वारा किया गया। दिल्ली वर्ल्ड पब्लिक स्कूल की शिक्षिका श्रीमती संगीता सोनी द्वारा मंच संचालन किया गया। कार्यक्रम का आभार जिला विधिक सहायता अधिकारी श्री सिमोन सुलिया द्वारा किया गया। कार्यक्रम में जिला अधिवक्ता संघ के सचिव श्री संतोष जाट, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्रीमती पारूल बेलापुरकर, डी.एस.पी. श्री आनंद तिवारी, रक्षित निरीक्षक श्री पुरूषोत्तम बिश्नोई, यातायात थाना प्रभारी श्री प्रेमसिंह ठाकुर, लॉ कालेज के प्राचार्य डॉ. तरूण कुमार, प्रोफेसर डॉ. सुनील जाट, स्कूलों से पधारे प्राचार्य, शिक्षकगण, छात्र-छात्राए एवं छात्रों के अभिभावकगण व आमजन उपस्थित रहे।

एक कविता...

अकेला चला वो मंजिल की ओर
इस नदियाँ की गहराइयों से न डरा वो कभी,
लहरे भी कभी रास्ता रोकेगी उसे पता न था...
नाव विशाल है सुद्रढ़ है जिसमें वो बैठा है,
पर पतवार हाथ में न आयेगी उसे पता न था....
अकेला अनुकूल वातावरण बनाते चल पड़ा वो,
पर हवा,तूफाँ के भ्रम मे यूं थमेगी उसे पता न था...
चल दिया मंजिल की ओर चाहे अंधेरे थे बहुत,
राह में कोई दिया न जलायेगा उसे पता न था...
रुका नहीं खुद ही रास्ते साफ करते चला वो,
पाने वाले,सुख पाकर काटें बिछायेंगे उसे पता न था..
हर कमी को दूर किया विजयी ध्वज फहराता चला,
पर अब भी कारवाँ पुरा नहीं होगा उसे पता न था.,..

द्वारा-:विपिन जैन "श्रीजैन" इंदौर

खत्म हुआ 21वीं किस्त का लंबा इंतज़ार, अब 19 नवंबर को किसानों के खाते में आएंगे 2-2 हजार रुपये सरकार ने आधिकारिक घोषणा कर दी-रजिस्ट्रेशन पूरा करने की अपील भी की

नई दिल्ली। देशभर के करोड़ों किसानों के लिए राहत और खुशखबरी का वह पल आखिरकार आ ही गया, जिसका महीनों से इंतज़ार किया जा रहा था। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना (PM Kisan Samman Nidhi) की 21वीं किस्त जारी करने को लेकर आज सरकार ने बड़ा फैसला लेते हुए घोषणा की कि आगामी 19 नवंबर को पात्र किसानों के बैंक खातों में 2-2 हजार रुपये की राशि ट्रांसफर कर दी जाएगी। यह जानकारी सीधे पीएम किसान के आधिकारिक एक्स (पूर्व ट्विटर) अकाउंट पर साझा की गई, जिसके बाद से किसान परिवारों में उत्साह और उम्मीद की लहर फैल गई है। 14 नवंबर की सुबह सरकार द्वारा किए गए इस आधिकारिक पोस्ट ने उन किसानों के मन में स्थिरता और विश्वास को फिर से मजबूत किया है, जो बीते कई महीनों से नई किस्त का इंतज़ार कर रहे थे। चुनावी हलचल और प्रशासनिक प्रक्रियाओं के बीच किसान समुदाय लगातार पूछ रहा था कि आखिर 21वीं किस्त कब जारी होगी। आज के एलान ने न सिर्फ उन्हें जवाब दिया, बल्कि निश्चित तिथि भी तय कर दी। इससे किसानों के भीतर एक नई ऊर्जा का संचार हुआ है, क्योंकि खेती-किसानी के वर्तमान मौसम में यह वित्तीय सहायता उनके लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है। सरकार की ओर से जारी पोस्ट में स्पष्ट रूप से कहा गया है कि 21वीं किस्त का हस्तांतरण 19 नवंबर 2025 को किया जाएगा। इसके साथ ही एक महत्वपूर्ण जानकारी और साझा की गई, जिसमें किसानों को अपने रजिस्ट्रेशन और सत्यापन की प्रक्रिया को समय पर पूरा करने की सलाह दी गई है। एक्स पर जारी संदेश में लिखा गया—"पीएम-किसान की 21वीं किस्त का हस्तांतरण दिनांक—19 नवंबर 2025। कृपया लिंक पर क्लिक करें और अभी रजिस्टर करें।" यह संदेश साफ संकेत देता है कि जिन किसानों का ई-केवाईसी, भूमि सत्यापन या रजिस्ट्रेशन अधूरा है, उन्हें किस्त का लाभ मिलने में दिक्कत हो सकती है, इसलिए उन्हें तुरंत इन प्रक्रियाओं को अपडेट करना चाहिए। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना देश के किसानों के लिए सबसे व्यापक प्रत्यक्ष लाभ योजनाओं में से एक है, जिसके तहत हर पात्र किसान को साल में 6,000 रुपये की सहायता तीन किस्तों में प्रदान की जाती है। 2019 में शुरू हुई इस योजना ने अब तक लाखों किसानों को आर्थिक राहत पहुंचाई है। हर किस्त का वितरण कृषि चक्र में बहुत अहम भूमिका निभाता है, क्योंकि इसी सहायता से किसान बीज, खाद, सिंचाई और अन्य कृषि आवश्यकताओं को पूरा कर पाते हैं।

21वीं किस्त के ऐलान के साथ अब किसानों की नज़र 19 नवंबर पर टिक गई है, जब राशि उनके खातों में आएगी और उनकी आर्थिक मजबूती को एक नई गति मिलेगी। सरकार की ओर से बार-बार यह भी दोहराया जा रहा है कि लाभ के लिए सभी किसानों को यह सुनिश्चित करना होगा कि उनका रजिस्ट्रेशन, आधार से लिंक बैंक अकाउंट और ई-केवाईसी पूरी तरह अपडेट हो। पिछले वर्षों में लाखों किसान केवल अपूर्ण दस्तावेजों या केवाईसी की गड़बड़ी के कारण किस्त का लाभ लेने से वंचित रह गए थे।

मालनपुर थाना प्रभारी ने स्कूली छात्रों के बीच मनाया जन्मदिन, छात्रों को बांटे उपहार

दिव्यानंद अर्गल

मालनपुर :- लोग जन्मदिन आदि कार्यक्रमों में लाखों रुपए खर्च करते हैं तो वहीं कुछ लोग अपना जन्मदिन सादगी पूर्ण तरीके से मनाते हैं, ऐसा ही कुछ कार्य मालनपुर थाना प्रभारी निरीक्षक प्रदीप कुमार सोनी ने किया है उन्होंने अपने जन्मदिन पर फालतू फिजूल खर्चा करने के बजाय स्कूली छात्रों के बीच मनाया और और मेधावी छात्रों को नगद पुरस्कार भी दिया, शुक्रवार को उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में थाना प्रभारी ने अपना जन्म दिवस हर्ष और उल्लास के साथ मनाया ,कार्यक्रम की शुरुआत मां सरस्वती की पूजा वंदना कर की गई, विद्यालय के शिक्षक और स्कूली छात्रों ने थाना प्रभारी का जन्मदिन केक काटकर बड़े ही उत्साह से मनाया इस अवसर पर थाना प्रभारी ने मेधावी छात्र - छात्राओं नगद पुरस्कार दिया , और सभी छात्रों को बिस्कुट और नमकीन के पैकेट वितरित किए, इस अवसर पर थाना प्रभारी ने सभी शिक्षकों को भी उपहार देकर सम्मान किया कार्यक्रम का संचालन दीपा सिंह भदौरिया द्वारा किया गया इस अवसर पर स्कूल प्राचार्य सुनील सिंह तोमर ,मालनपुर उप निरीक्षक बलवंत यादव , दीपा सिंह भदोरिया, जंडेल सिंह नरवरिया, विक्रम सिंह ,रविंद्र सिंह गौतम, संध्या जगनेरिया, विशेष सिंह कुशवाह, संजय सिंह कुशवाह , देवेंद्र सिंह तोमर, मुकेश जादौन आदि उपस्थित रहे।

हिंद जागरण मंच की तत्परता से उजागर हुआ आरोपी का आपराधिक इतिहास

राजेश धाकड़

थाना गांधी नगर में जावेद खान पर 14 गंभीर प्रकरण दर्ज

इंदौर। हिंद जागरण मंच के संयोजक पीयूष जादम को जैसे ही घटना की जानकारी प्राप्त हुई, उन्होंने तुरंत मंच के पदाधिकारी मोना व्यास, विक्की तिवारी, पंकज विश्वकर्मा और मोहित शर्मा के साथ थाना गांधी नगर पहुंचकर पुलिस अधिकारियों से मुलाकात की और आवश्यक कार्रवाई की मांग की। पुलिस सूत्रों के अनुसार, आरोपी जावेद खान के विरुद्ध थाना गांधी नगर में गंभीर धाराओं के तहत कुल 14 प्रकरण पंजीबद्ध होने की जानकारी सामने आई है। प्रारंभिक कार्रवाई के दौरान पुलिस ने आरोपी के पास से एक चाकू बरामद किए जाने की पुष्टि की है।

सूत्रों का कहना है कि जावेद खान पर इससे पहले भी कई आपराधिक गतिविधियों में शामिल रहने के आरोप लगे हैं। बताया जाता है कि पूर्व में उसने बजरंग दल के एक कार्यकर्ता पर गोली चलाने की वारदात को भी अंजाम दिया था। इस मामले की जांच संबंधित थाना पुलिस द्वारा जारी है। पुलिस अब आरोपी से पूछताछ कर उसके अन्य संभावित आपराधिक नेटवर्क और पुराने मामलों की भी समीक्षा कर रही है। हिंद जागरण मंच के पदाधिकारियों ने कहा कि अपराधियों पर सख्त कार्रवाई होना आवश्यक है ताकि क्षेत्र में कानून-व्यवस्था बनी रहे।

जन्मदिन की अग्रिम शुभ सूचना

"रंजीत टाइम्स" में अब आप अपने या अपने प्रियजनों का जन्मदिन एक दिन पहले ही निशुल्क प्रकाशित करवा सकते हैं!

बस हमें भेजिए: 1 जन्मदिन मनाने वाले की फोटो

2 उसका पूरा नाम- 3 बधाई देने वाले का नाम जन्मदिन के एक दिन पहले ही विज्ञापन भेज दें, ताकि समय रहते प्रकाशित किया जा सके।

भेजने का नंबर (Aditya): 8224951278

रंजीत टाइम्स में आपका विज्ञापन पूरी तरह मुफ्त प्रकाशित किया जाएगा!
अपने जज़बातों को शब्द दें – सिर्फ रंजीत टाइम्स के साथ।
टीम रंजीत टाइम्स- "आपका अपना अख़बार, आपकी आवाज़"

रणजीत टाइम्स

दैनिक रणजीत टाइम्स

जिला एवं तहसील स्तर पर एजेंसी देना है

अपना बायोडाटा सम्पूर्ण विवरण के साथ हमें प्रेषित करें।
सम्पर्क करें
8224951278 :: 9827068888

करैरा व अमोला पुलिस ने 56 लाख रुपए की स्मैक पकड़ी

दीपक परमार

शिवपुरी अमोला थाना और करैरा थाना पुलिस की संयुक्त टीम ने 56 लाख रुपए कीमत की 280 ग्राम स्मैक के साथ आरोपी नीलेश लोधी पुत्र राधेलाल लोधी उम्र 26 साल निवासी सिरसौद थाना अमोला को किया गिरफ्तार।

खजराना पुलिस ने 48 घंटे में अज्ञात आरोपी को किया गिरफ्तार

राजेश धाकड़

इंदौर। सर्विस रोड पर एक राहगीर की पत्थर मारकर की गई हत्या के मामले में खजराना पुलिस ने त्वरित कार्यवाही करते हुए मात्र 48 घंटे के भीतर अज्ञात आरोपी की पहचान कर उसे गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार आरोपी की पहचान नीरज उर्फ चीनू पिता कमल डोनरे (उम्र 29 वर्ष), निवासी रुस्तम का बगीचा, थाना तुकोगंज के रूप में हुई है। आरोपी को पकड़ने के दौरान उसने भागने की कोशिश की, जिसके चलते उसके हाथ और पैर में चोट आई। पुलिस ने उसे विधिवत अभिरक्षा में ले लिया है।

कैसे हुआ विवाद? मौत का कारण

मर्ग जांच और पीएम रिपोर्ट के अनुसार, मृतक परमेश्वर पिता देवराव (उम्र 65 वर्ष), निवासी तपेश्वरी बाग, खजराना रात में सर्विस रोड से गुजर रहे थे। इसी दौरान मृतक और आरोपी का आपस में टकराव हुआ। बताया जाता है कि विवाद बढ़ने पर मृतक द्वारा गाली-गलौज व थप्पड़ मारने की बात सामने आई, जिसके बाद गुस्से में आरोपी ने

पत्थर उठाकर मृतक के सिर पर वार किया, जिससे उनकी मृत्यु हो गई।

घटना और जांच का विवरण

दिनांक 12/11/2025 की रात एमवाय हॉस्पिटल से सूचना मिली कि एक वृद्ध व्यक्ति गंभीर चोटों के कारण मृत्यु को प्राप्त हुए हैं। प्रारंभ में मर्ग क्रमांक 80/25 धारा 194 बीएनएसएस पंजीबद्ध कर जांच प्रारंभ की गई।,दिनांक 14/11/2025 को पीएम रिपोर्ट और घटनास्थल के आसपास के सीसीटीवी कैमरा फुटेज के आधार पर स्पष्ट हुआ कि मृतक की हत्या पत्थर मारकर की गई है। इसके बाद अपराध क्रमांक 934/25 धारा 103(1) BNS के तहत मामला दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू की गई।

पुलिस टीम ने सैकड़ों सीसीटीवी फुटेज खंगाले एवं मुखबिरों से सूचना विकसित की। सूचना मिली कि आरोपी तुकोगंज क्षेत्र का रहने वाला नीरज उर्फ चीनू है, जो घटना के बाद स्कीम 134/बायपास की ओर भागा हुआ है। पुलिस ने दबिश देकर आरोपी को पकड़ लिया।

वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर त्वरित कार्रवाई

इस गंभीर प्रकरण की त्वरित कार्रवाई के निर्देश,पुलिस आयुक्त नगरीय इंदौर श्री संतोष कुमार सिंह,अतिरिक्त पुलिस आयुक्त श्री अमित सिंह,पुलिस उपायुक्त झोन-02 श्री कुमार प्रतीक,अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त झोन-02 श्री अमरेंद्र सिंह,सहायक पुलिस आयुक्त खजराना श्री कुंदन मंडलोई द्वारा दिए गए थे।इन निर्देशों के बाद थाना प्रभारी खजराना मनोज सिंह सेंधव के नेतृत्व में विशेष टीम गठित की गई।

आरोपी का आपराधिक रिकॉर्ड

पुलिस के अनुसार, नीरज उर्फ चीनू अपराधिक प्रवृत्ति का व्यक्ति है तथा विभिन्न थानों में उसके विरुद्ध कई मामले दर्ज हैं।

कार्रवाई में शामिल पुलिस टीम

निरीक्षक मनोज सिंह सेंधव, उनि. अनिल गौतम, घनश्याम मिश्रा, संदीप पटेल,सउनि. राकेश परमार,प्र.आर. अजित यादव, नरेश चौहान, ब्रजेश खींची,प्रदीप तोमर, अनिल ओझा,आर. एदल गुर्जर, शुभम सिंह, वीरेंद्र राजपूत,शशांक चौधरी एवं प्रदीप सूर्यवंशी।

असीम मुनीर ने जारी किया NOTAM, एयर डिफेंस एक्टिव, हाई अलर्ट पर तीनों सेनाएं दिल्ली ब्लास्ट के बाद खौफ में पाकिस्तान

रणजीत टाइम्स

दिल्ली में लाल किले के पास **सोमवार शाम हुए भीषण ब्लास्ट के बाद देश में गुस्सा देखा जा रहा है। पुलिस ने कहा है कि जांच के बाद चीजें साफ होंगी कि ब्लास्ट के पीछे कौन हैं।**

लेकिन इस घटना के बाद पाकिस्तान में खलबली मची हुई है। असीम मुनीर ने कथित तौर पर सोमवार रात को ही अपनी सेना को अलर्ट कर दिया है। माना जा रहा है कि ऑपरेशन सिंदूर जैसी कार्रवाई का डर पाकिस्तान में है। दिल्ली के कार विस्फोट के बाद पाकिस्तान ने अपने सुरक्षा अलर्ट को अभूतपूर्व स्तर तक बढ़ा दिया हैं।पाकिस्तान ने अपने सभी हवाई अड्डों और एयरफील्ड के लिए रेड अलर्ट जारी कर दिया हैं। पाकिस्तान ने भारत की ओर से सैन्य कार्रवाई और सीमा पर तनाव बढ़ने के अंदेशे के चलते ये किया है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने ऐतिहासिक और धार्मिक महत्व के गोपाल मंदिर का किया औचक निरीक्षण समर्पित

रणजीत टाइम्स

इंदौर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शुक्रवार को इंदौर के ऐतिहासिक और धार्मिक महत्व के गोपाल मंदिर का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने मंदिर में पूजा-अर्चना की। उन्होंने विकास कार्यों का जायजा भी लिया। उन्होंने कहा कि मंदिर परिसर में नवनिर्मित सभागृह को "गीता भवन" के रूप में विकसित किया गया है। यह विशाल और सांस्कृतिक रूप से महत्वपूर्ण सभागृह गीता जयंती के अवसर पर एक दिसंबर को जनता को समर्पित किया जाएगा। यह सभागृह 500 सीट का रहेगा। इसमें सभी अत्याधुनिक सुविधाएं रहेंगी। यह सभागृह धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व का केन्द्र बनेगा।

औचक निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने गोपाल मंदिर में पूजा-अर्चना की तथा वहाँ मौजूद नागरिकों से संवाद किया। उन्होंने बच्चों को स्नेहपूर्वक दुलार किया और आसपास के दुकानदारों से भी चर्चा की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पूरे मंदिर परिसर में चल रहे विकास कार्यों और जीर्णोद्धार के कार्यों को देखा। उन्होंने निर्देश दिए कि मंदिर को अपने प्राचीन तथा गौरवशाली स्वरूप में पुर्नस्थापित किया जाए। आमजन के लिए अधिक से अधिक सुविधाएं जुटाई जाए।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रदेश शासन द्वारा निर्णय लिया गया है कि गीता जयंती पर पूरे मध्यप्रदेश में विविध कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, और हर जिले में गीता भवन विकसित किए जाएंगे ताकि धार्मिक, सांस्कृतिक और अध्यात्मिक गतिविधियों को बढ़ावा मिल सके।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव को कलेक्टर श्री शिवम वर्मा और नगर निगम आयुक्त श्री दिलीप कुमार यादव ने गोपाल मंदिर क्षेत्र में चल रहे विकास कार्यों की विस्तृत जानकारी भी प्रस्तुत की। निरीक्षण के दौरान जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट, विधायक श्रीमती मालिनी लक्ष्मण सिंह गौड़, पुलिस कमिश्नर श्री संतोष कुमार सिंह, कलेक्टर श्री शिवम वर्मा, नगर निगम आयुक्त श्री दिलीप कुमार यादव, स्मार्ट सिटी के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री अर्थ जैन एवं श्री सुमित मिश्रा सहित अन्य जनप्रतिनिधि शामिल थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इंदौर के प्रसिद्ध पोहे का लिया जायका मुख्यमंत्री डॉ. यादव इसके पश्चात राजवाड़ा के एक रेस्टोरेंट में रूके, यहां उन्होंने आमजन से चर्चा की। इस दौरान उन्होंने इंदौर के प्रसिद्ध पोहे का जायका भी लिया।